

श्रीगणेशायनमः॥ ॥ ऐं लूं नमो भवति वार्त्तालि २ वा ए हि वा ए ह मू वि
२ अं धे अ धि नै नमो हं धे हं धि नै नमो जै भे जै भि नै नमो मो हे मो हि नै नमो
स्त्री भे स्त्री भि नै नमो ५ मू कं स्त्री भय २ स र्द्ध दुष्ट प्र दुष्टा नी सर्वे र्धा सर्व वा क वि
त्त च क्षु मुख श्री त्र गति जिह्वा स्त्री भै ऊ ह २ शी र्षं व र्प ऊ ह २ ऐं लूं लूंः क्लीं
ऐं ठः ठः ठः ॐ हूं फूं स्वाहा ॥ ॥ ॐ क्लीं श्रीं क्लीं प्र स्फुट २ स्फुट २ घो
र २ तनू २ रूप चट २ प्र चट २ क ह २ व म २ वं धय २ घा ट य २ अ घो ए ला
य हूं फूं स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगति ज्वाला मालिनि देवि २ सर्व भू

